Hindi Murli Quiz 27-08-2015

.

Q.1) **Q. "बच्चे तुम्हे ----------से अपनी कर्मातीत अवस्था बनानी है,साथ-साथ पतित से पावन बनाने का रास्ता भी बताना है, रुहानी सर्विस करनी है।"**
निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें -

A. पढ़ाई
B. योग
C. सेवा
D. धारणा

Q.2) **Q."हियर नो ईविल, सी नो ईविल .....यही मन्त्र याद रखो। तुम्हें अपनी कर्मेन्द्रियों से कोई पाप नही करना है। कलियुग में सबसे पाप कर्म ही होते हैं इसलिए बाबा यह युक्ति बताते हैं , पवित्रता का गुण धारण करो -यही नम्बर वन गुण है। "**

.

A. True
B. False

Q.3) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप से बहुत सहज रास्ता मिल रहा है,	सिर्फ याद करना है और अपने में दैवीगुण धारण करने हैं।
B	भक्ति मार्ग है ही पास्ट का।	इस समय जो प्रैक्टिकल होता है उसका फिर गायन होता है।
C	मनुष्य देवताओं का जन्म दिन अथवा भगवान् का जन्म दिन मनाते हैं ,	परन्तु जानते कुछ भी नही हैं।
D	अभी तुम बाप से शिक्षा लेकर पतित से पवन बनते हो और	पतितों को पावन बनने का रास्ता भी बताते हो।
E	सतयुग में दैवी परिवार बहुत छोटा होता है।	कलियुग में तो कितने ढेर मनुष्य हैं।

Q.4) **Q. "इस समय की ही बात है , ब्रह्मा को अलौकिक कहा जाता है। तुम बच्चे उस शिवबाबा को सिमरण करते हो, ब्रह्मा को नहीं। भल ब्रह्मा के मंदिर में जाकर पूजा करते हैं , वह भी तब पूजते हैं जब सूक्ष्मवतन में सम्पूर्ण अव्यक्त मूर्त है। यह शरीरधारी पूजा के लायक नही है। यह तो मनुष्य है ना। मनुष्य की पूजा नही होती। ब्रह्मा को दाढ़ी दिखाते है तो मालूम पड़े यह यहाँ का है। देवताओं को दाढ़ी होती नहीं। "**

A. True
B. False

Q.5) **Q. बच्चे रूहानी सर्विस कैसे करें ? इस विषय में बापदादा ने जो पॉइंट्स कहे है उसका चयन करें --**

A. हम आत्मा हैं,इसलिए अपने को घडी-घडी आत्मा समझना है।
B. आत्मा तो अविनाशी है।
C. जब समय होता है तब आत्मा शरीर में आकर प्रवेश करती है।
D. हम आत्माओं का बाप परम पिता परमात्मा है।
E. परम पिता परमात्मा ही हमारा परम टीचर भी है।

Q.6) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---.**

	Choice	Match
A	अभी तुम ब्रह्मा की सन्तान ब्राह्मण वंशी हो ,	तुम ईश्वरीय औलाद बने हो।
B	मुक्ति-जीवनमुक्ति दोनों श्रेष्ठ हैं।	हम अपने घर जायेंगे फिर पवित्र आत्माएं आकर राज्य करेंगी।
C	तुम्हारा यह सुदर्शन-चक्र रुकना नही चाहिए,	फिरते रहने से विकर्म विनाश हो जायेंगे।
D	बाप को मनुष्य सृष्टि का बीजरूप एवं बागवान कहा जाता है।	देवी-देवता धर्म का बीज शिवबाबा ने ही लगाया है।

Q.7) **Q. "तुम स्त्री-पुरुष दोनों इकट्ठे रहते ----------बनते हो। ऐसा धर्म तो होता नही। निवृति मार्ग वाले तो वह सिर्फ पुरुष बनते हैं। कहते हैं ना कि स्त्री-पुरुष दोनों इकट्ठे ----------रह नही सकते,मुश्किल है। सतयुग में थे ना। "**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें ---

A. ◉ पवित्र
B. ○ भाई-बहन
C. ○ मित्र
D. ○ साथी

Q.8) **Q. "महाभारत लड़ाई भी मशहूर है। कहते भी हैं वर्ल्ड-वार लग जायेगी। उससे पहले तुम बच्चों को अपनी पढ़ाई से कर्मातीत अवस्था प्राप्त करनी है। बाप ने तुम बच्चों को स्म्रति दिलाई है कि तुम आदि सनातन देवी-देवता धर्म वाले थे, चक्र खाकर आये अब फिर तुमको वही बनना है। यह मीठी स्म्रति आने से पवित्र बनने की हिम्मत आती है। "**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.9) **Q. "-----------में कोई गन्दी चीज़ होती नही, जिसमें हाथ-पांव अथवा कपड़े आदि मैले हों। देवताओं की कैसी सुन्दर पहरवाइस है। कितने फर्स्ट क्लास कपड़े होंगे , धोने की भी दरकार नहीं। "**

A. ◉ स्वर्ग
B. ○ कलियुग
C. ○ संगमयुग
D. ○ पुरानी दुनिया

Q.10) **Q. "सारे कल्प की कमाई का, श्रेष्ठ कर्म रूपी बीज बोने का, 5 हजारवर्ष के संस्कारों का रिकार्ड भरने का, विश्वकल्याण वा विश्व-परिवर्तन का यह समय चल रहा है। यदि समय के ज्ञान वाले भी वर्तमान समय को गंवाते हैं या आने वाले समय पर छोड़ देते हैं तो समय के आधार पर स्वयं का पुरूषार्थ हुआ। लेकिन विश्व की आधारमूर्त आत्मायें किसी भी प्रकार के आधार पर नहीं चलती। वे एक अविनाशी सहारे के आधार पर कलियुगी पतित दुनिया से किनारा कर स्वयं को सम्पन्न बनाने का पुरूषार्थ करती हैं।"**

A. ◉ True
B. ○ False